

यूपी बनेगा देश का डीप टेक कैपिटल : योगी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि इनोवेट इन यूपी, स्केल फॉर द वर्ल्ड विजन के साथ प्रदेश को देश का डीप टेक कैपिटल बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाएँ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, ड्रोन टेक्नोलॉजी, ग्रीन हाइड्रोजन, साइबर सिक्योरिटी और मेड टेक जैसे क्षेत्रों में प्रदेश को अग्रणी बनाने के लिए शोध और उद्योग के बीच मजबूत समन्वय स्थापित किया जाए ताकि नवाचारों का व्यावहारिक उपयोग हो और रोजगार सृजन को गति मिले।

सीएम की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मनींद्र अग्रवाल द्वारा दिए गए प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि मेड टेक के क्षेत्र में गंगवाल स्कूल ऑफ मेडिकल



आईआईटी कानपुर के साथ साझेदारी से नवाचार को मिलेगा विस्तार

ड्रोन, क्वांटम, ग्रीन हाइड्रोजन व मेड टेक में तेजी से आगे बढ़ेगा प्रदेश

साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अभिनव तकनीकी समाधान विकसित किए जा रहे हैं। इसका प्रस्ताव चिकित्सा शिक्षा विभाग को भेजा गया है। यह संस्थान नवंबर में शुरू हो सकता है।

सीएम ने ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में प्रस्तावित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

वैश्विक मान्यता मिली

बैठक में बताया गया कि आईआईटी कानपुर में विकसित स्टार्टअप ईकोसिस्टम के अंतर्गत बड़ी संख्या में स्टार्टअप्स इनक्यूबेट किए गए हैं, जिन्हें वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त हुई है। स्टार्टअप्स को पेटेंट सहायता प्रदान कर नवाचारों को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। सीएम ने नोएडा में प्रस्तावित यूपी डीप-टेक हब को प्रदेश के तकनीकी विकास का केंद्रीय प्लेटफॉर्म बताते हुए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित करने को कहा। उन्होंने आईआईटी कानपुर में अनुसंधान, नोएडा से विस्तार और तैनाती के मॉडल को प्रभावी ढंग से लागू करने पर बल दिया। बैठक में बताया गया कि साइबर सिक्योरिटी टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन रिसर्च पार्क के माध्यम से प्रदेश में उन्नत साइबर सुरक्षा समाधान विकसित किए जा रहे हैं।

को महत्वपूर्ण बताते हुए उत्पादन, भंडारण, परीक्षण, सुरक्षा मानकों एवं औद्योगिक उपयोग के सभी आयामों पर तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में आयुर्वेद के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त क्लीनिकल वैलिडेशन के लिए देश के पहला संस्थागत केंद्र स्थापित करने पर भी विमर्श हुआ।

सीएम ने कहा कि इससे भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी। वहीं ड्रोन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देते हुए कहा कि प्रदेश को स्वदेशी ड्रोन निर्माण एवं अनुसंधान का प्रमुख केंद्र बनाया जाए। ड्रोन तकनीक में व्यापक स्वदेशीकरण के प्रयास करें।